https://www.ppuponline.com

7101-02 **Printed Pages : 8**

Degree (Part-II) Examination, 2020

(Composition)

HINDI

[PPU-D-II(COMP.)100M/HIN(SC)]

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [3x15=45]

(क) कुरूक्षेत्र अथवा यशोधरा के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'यज्ञ' अथवा 'मूल्यों का उलटफेर' की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

(ग) 'हमारा सांस्कृतिक पतन' अथवा 'पर्यावरण और सनातन दृष्टि' के मूलभूत उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) **'सप्तसागर महादान' अथवा 'हल्दी दूध और दधि अच्छत' की भाषा शैली पर विचार व्यक्त कीजिए।**

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

(ङ) 'आजादी के बाद भारतीय विज्ञान' के आधार पर वैज्ञानिक क्षेत्र में भारत की भूमिका पर विचार व्यक्त कीजिए।

(च) 'मुक्ति योद्धाओं के शिविर में' की प्रमुख विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [3x10=30]

(क) दिव्य भावों के जगत में जागरण का गान ;
मानवों का श्रेय आत्मा का किरण अभियान।
भजन, अर्पण, आत्मसुख का त्याग ;
श्रेय मानव का तपस्या की बहकती आग।

(ख) व्यक्ति का है धर्म-तप, करूणा, क्षमा ;
व्यक्ति की शोभा विनय भी, त्याग भी,
किन्तु उठता प्रश्न जब समुदाय का ;
भूलना पड़ता हमें तब त्याग को।

(ग) कर्मभूमि है निखिल महीतल, जब तक नर की काया
जब तक है जीवन के अणु-अणु में कर्त्तव्य समाया,
क्रिया धर्म की छोड़ मनुज, कैसे निज सुख पावेगा ?
कर्म रहेगा साथ भाग वह जहाँ कहीं जायेगा।

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

(घ) इतना कुछ है, भरा विभव का कोष प्रकृति के भीतर,
निज इच्छित सुख भोग सहज ही पा सकते नर-नारी,
सब हो सकते तुष्ट एक सा सब सुख पा सकते हैं,
चाहे तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं।

(ङ) पड़ी रह तू मेरी भव-मुक्ति!
मुक्ति हेतु जाता हूँ मैं, मुक्ति, मुक्ति बस मुक्ति!
मेरा मानस हंस सुनेगा और कौन सी युक्ति ?
मुक्ताफल निर्द्वन्द्व चुनेगा, चुन ले कोई शुक्ति।

(च) गये, लौट भी वे आवेंगे,
कुछ अपूर्व-अनुपम लावेंगे ?
रोते प्राण उन्हें पावेंगे ?
पर क्या गाते गाते,
सखि वे मुझसे कहकर जाते।

(छ) निकले भाग्य हमारे सूने,
वत्स, दे गया तू दुख दूने,
किया मुझे कैकेयी तूने,
हा! कलंक यह काला,
मैंने दूध पिलाकर पाला।

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

(ज) उसे फूल सा रक्खा पाल,
गया गन्ध-सा वह वह इस काल।
यह विष-फल, काँटे-सा साल।
फला गया रे, फला गया!
चला गया रे, चला गया!

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर 150-150 शब्दों में दीजिए : [3x5=15]

(क) यशोधरा की अंतर्वेदना का वर्णन कीजिए।

(ख) 'कुरुक्षेत्र' के आधार पर चारित्रिक सुचिता पर विचार व्यक्त कीजिए। https://www.ppuponline.com

(ग) हिन्दी निबन्ध के प्रकार लिखिए।

(घ) 'दक्षिण गंगा गोदावरी' अथवा 'पर्यावरण और सनातन दृष्टि' की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) 'सप्तसागर महादान' अथवा 'मूल्यों का उलटफेर' की भाषा का मूल्यांकन कीजिए।

(च) 'ललित निबन्ध' की विशेषताएँ लिखिए।

(छ) 'मुक्ति योद्धाओं के शिविर में' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

4. निम्नलिखित वास्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षेप में दीजिए : [10x1=10]

(क) 'हुँकार' किस कवि की काव्यकृति है ?

(ख) 'साकेत' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ग) हरिशंकर परसाई की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(घ) विद्यानिवास मिश्र के किसी एक निबन्ध संग्रह का नाम लिखिए।

(ङ) 'मुक्ति योद्धाओं के शिविर में' किसकी कृति है ?

(च) 'छगनलाल मेहता' के दो निबन्धों के नाम लिखिए।

(छ) किन्हीं दो 'व्यंग्य' लेखकों के नाम लिखिए।

(ज) भारतेन्दु युग के दो निबन्धकारों के नाम लिखिए।

(झ) किन्हीं दो ललित निबन्धकारों के नाम लिखिए।

(ञ) 'मैथिलीशरण गुप्त' किस काल के कवि हैं ?

----- x -----

https://www.ppuponline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com

https://www.ppuponline.com